टिप्पणी : (अतिरिक्त)

9/12/24 पत्रावली पेश हुई। वकीलवादी उपस्थित। पत्रावली वास्ते लिखित बहस एवं संशोधित उनवान हेतु दिनांक 23/12/24 को पेश हो।

23/12/24 पत्रावली पेश हुई। वकीलवादी उपस्थित। पत्रावली वास्ते लिखित बहस एवं संशोधित उनवान हेतु दिनांक 21/1/25 को पेश हो।

21/01/25 पत्रावली पेश हुई। वादी अधिवक्ता उपस्थित। पत्रावली वास्ते लिखित बहस एवं संशोधित उनवान दिनांक 04/03/25 को पेश हो।

4/3/25 ... वकील वादी ... पत्रावली पूर्व ... 25/3/25 को पेश हो

25/3/25 ... 27/3/25 ... को पेश हो।

27/3/25 पत्रावली पेश हुई। वादी अधिवक्ता अनुपस्थित। वादी स्वयं भी अनुपस्थित। प्रतिवादीगण भी स्वयं अनुपस्थित। न्यायालय समक्ष में बार-बार आवाजें

लगवाई गई परन्तु ना तो वादी स्वयं भी उपस्थित हुए ना ही वादी के वकील उपस्थित हुए। अतः वादी का वाद अदम हाजिरी अदम पैरवी मे खारिज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।